

Name of the College: A.P.S.M College Baranasi

Name: Dr. Rajesh Kumar Suman [B.A.]

Dept: ECONOMICS - B.A. Part - IV - V Unit - 02

Topic: Concepts and Measure of Development.

⇒ आर्थिक विकास (Economic Development)

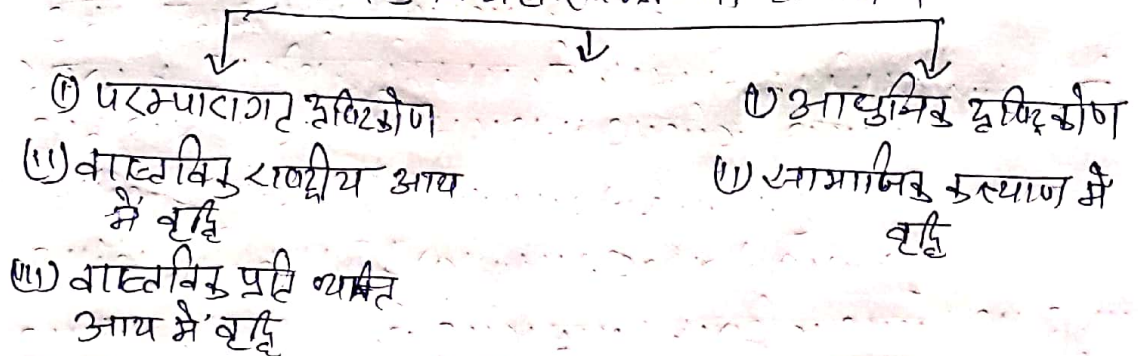
→ 1960 तक आर्थिक विकास की अवधारणा आर्थिक संवृद्धि की पर्यायवाची अवधारणा ही मानी जाती थी। किन्तु अब इसे आर्थिक संवृद्धि के समान नहीं माना जाता है। आर्थिक संवृद्धि की तुलना में अधिक है।

→ वृद्धि को विकास का एक अंग (Part) कहा जाता है और संवृद्धि का तात्पर्य प्रति व्यक्ति वास्तविक आय अथवा मौद्रिक आय में वृद्धि है। तथा आर्थिक विकास का तात्पर्य अधिक वृद्धि के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व नैतिक उन्नति से है।

⇒ आर्थिक विकास की परिभाषाएँ :- [Definitions of Economic Development]

→ आर्थिक विकास की कोई निश्चित और सर्वमान्य परिभाषा देना कठिन है क्योंकि लेखकों ने इसकी परिभाषा आर्थिक विकास के विभिन्न भागों के आधार पर दी है। हम इन विभिन्न परिभाषाओं का अध्ययन दो दृष्टिकोणों से करते हैं। इसे हम निम्नलिखित रूप से स्पष्ट करते हैं।

### आर्थिक विकास सम्बन्धी दृष्टिकोण



→ परम्परागत दृष्टिकोण (Classical View) - इस दृष्टिकोण के अनुसार आर्थिक विकास की परिभाषा राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय में होने वाली वृद्धि के रूप में की जाती है।



(1) वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि सम्बन्धी परिभाषाएँ [Definitional regarding Increase in Net National Income]

(i) मैथिल एवं वास्तविक ई शब्दों में " आर्थिक विकास एवं प्रगति है जिससे हुए बीघे साल में एक अर्थव्यवस्था की वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।"

(ii) पीएल एसटी ई अनुसूची :- किसी देश के द्वारा अपनी वास्तविक आय को बढ़ाने के लिए सभी उत्पादन साधनों का कुशलतम प्रयोग करना आर्थिक विकास कहलाता है। उपर्युक्त परिभाषाओं में तीन बातों पर आर्थिक जोर दिया गया है।

(1) आर्थिक विकास एक प्रगति है। इसका अर्थ यह है कि आर्थिक विकास किसी देश को प्राप्त करने का एक साधन है।

(2) आर्थिक विकास ई अन्तर्गत लम्बे साल में राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।

(3) राष्ट्रीय आय को बढ़ाने के लिए देश में उपलब्ध सभी उत्पादन साधनों का कुशलतम प्रयोग किया जाता है।